सोमवार
03 जून 2024

पृष्ठ 4

हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन से...

पृष्ठ 5

अभिनेता रोहित सराफ काफी मूडी...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 122
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुखी होता है।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कल पता चल जाएगा अबकी बार किसकी सरकार

मतगणना सुबह 8 बजे से, तैयारी पूर्ण

- मतगणना स्थलों की थ्री लेयर सुरक्षा
- बिना पास किसी को भी एंट्री नहीं मिलेगी

विशेष संवाददाता

देहरादून। डेढ़ माह लंबी चली चुनावी प्रक्रिया के बाद आखिरकार अब इंतजार की घड़ियां समाप्त होने वाली है। 18 वीं लोकसभा चुनाव के लिए 1 जून को मतदान समाप्त होने के बाद अब कल सुबह 8 बजे से मतगणना का काम शुरू होने जा रहा है जिसमें अब मात्र 12-14 घंटों का ही समय शेष बचा है। 24 घंटे के अंदर यह साफ हो जाएगा कि अबकी बार किसकी सरकार।

उत्तराखंड सहित सभी राज्यों में कल सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मतगणना सेंटरों पर बिना पास किसी की भी एंट्री नहीं होगी। सभी जिलों के जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कई कड़ें इंतजाम किए गए, मतगणना स्थलों की सुरक्षा थ्री लेयर की होगी। जिसकी अलग अलग सुरक्षा बलों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। विजय प्रत्याशियों के विजय जलूसों पर भी सुरक्षा के मद्देनजर पाबंदी लगाई गई है। दून के एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि सुरक्षा के सभी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मतगणना सीसीटीवी की निगरानी में होगी तथा सभी दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में की जाएगी। मतगणना केंद्रो की सुरक्षा के लिहाज से रूट भी डाइवर्ट किए गए हैं।

राजधानी दून के रायपुर स्टेडियम में होने वाली मतगणना की तैयारियां पूरी हो गई है। जिलाधिकारी दून का कहना है कि मतगणना के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण का काम पूरा हो चुका है। हर एक विधानसभा क्षेत्र के लिए 14-14 काउंटर बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि पहले पोस्टल वैलिट मतों की गणना होगी तथा 8.30 बजे ईवीएम मशीनों से गणना शुरू हो जाएगी। उधर हरिद्वार के वीएचआईएम ग्राउंड में मतगणना स्थल बनाया गया है। जहां 11 विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गिनती होगी। उधर डीएम टिहरी द्वारा भी सभी तैयारियां पूर्ण होने की बात कही गई है।

उल्लेखनीय है कि 1 जून को आए तमाम एग्जिट पोल में उत्तराखण्ड में भाजपा को एक बार फिर क्लीन स्वीप करते दिखाया गया है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सभी पांच सीटों पर जीत दर्ज की थी अगर इस बार भी वह अपने प्रदर्शन को दोहरा पाती है तो उसके लिए जीत की यह हैट्रिक होगी। वहीं कांग्रेस को भी यह उम्मीद है कि वह कम से कम एक या दो सीटों पर जीत दर्ज करेगी चुनाव अधिकारियों का कहना है कि कल 3 बजे शाम तक सभी पांच सीटों के चुनाव परिणाम आ जाएंगे।

भाजपा को भरोसा सच साबित होंगे एग्जिट पोल

सभी पांचों सीटें जीतेंगे: अनिल बलूनी

- हरीश रावत बोले मोदी के हैं एग्जिट पोल
- त्रिवेंद्र ने कहा जीतें तो गंगा में खनन रोकेंगे

विशेष संवाददाता

देहरादून। एग्जिट पोल को लेकर भले ही राष्ट्रीय स्तर पर घमासान की स्थिति देखी जा रही हो लेकिन भाजपा के नेताओं और प्रत्याशियों में इन्हें लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। पौड़ी सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी का कहना है कि भले ही कल 4 जून को होने वाली मतगणना से सही परिणाम की जानकारी होगी लेकिन एग्जिट पोल इस बात का संदेश देते हैं कि बयार किधर की बह रही है। जनता ने एक बार फिर मोदी की सरकार बनाने के लिए वोट किया है।

उनका कहना है कि एग्जिट पोल और असली नतीजो में थोड़ा बहुत फर्क आ सकता है लेकिन इससे यह साफ हो गया है कि आएगा तो मोदी ही। उन्होंने कहा कि विपक्ष इन एग्जिट पोल को लेकर इसलिए हल्ला कर रहा है क्योंकि ईंडी गठबंधन के नेता हकीकत को स्वीकार नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा दक्षिण भारत में भाजपा का प्रदर्शन बेहतर रहने वाला है आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल में तथा तेलंगाना और कर्नाटक ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

19 जून तक 40,000 हजार जवान पश्चिम बंगाल के अलग-अलग जिलों में तैनात रहेंगे

कोलकाता। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। कल यानी 4 जून की सुबह 543 सीटों पर मतगणना होगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी है। पश्चिम बंगाल में गृह मंत्रालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 400 कंपनियां यानी 40 हजार से अधिक जवानों की नियुक्ति कर दी है। जो कि 19 जून तक पश्चिम बंगाल के अलग-अलग जिलों में तैनात रहेंगे।

रिपोर्ट्स के अनुसार 400 सेंट्रल ऑर्म्ड पुलिस फोर्स की कंपनी में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स, इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस फोर्स और सशस्त्र सीमा बल) शामिल होंगी। हालांकि लोकसभा चुनाव के दौरान इससे भी बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बलों को पश्चिम बंगाल में तैनात किया गया था। बता दें कि पश्चिम बंगाल में 19 अप्रैल से लेकर 1 जून तक सभी सात चरणों में मतदान हुआ था। इस दौरान सीएपीएफ की 900 कंपनियां (90,000 जवान) सिर्फ पश्चिम बंगाल में नियुक्त की गई थीं।

लोस चुनाव में भारत ने 64 करोड़ से ज्यादा मतदान का विश्व रिकॉर्ड बनाया: मुख्य चुनाव आयुक्त

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना से पहले भारत के चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 में हिस्सा लेने वाले सभी मतदाताओं का सम्मान किया। लोकसभा चुनावों पर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि हमने 64.2 करोड़ मतदाताओं का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह सभी जी 7 देशों के मतदाताओं का 1.5 गुना और यूरोपीय संघ के 27 देशों के मतदाताओं का 2.5 गुना है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आयोग ने महिलाओं को खड़े होकर सम्मान देते हुए, कहा कि इस बार भारत में 31 करोड़ महिला वोटरों ने मतदान किया है। यह आंकड़ा दुनिया में सबसे बड़ा है।

लोकसभा चुनावों पर सीईसी राजीव कुमार ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में जम्मू और कश्मीर में मतदान पिछले चार दशकों में सबसे अधिक रहा। यह उन आम चुनावों में से एक है, जिसमें हमने हिंसा नहीं देखी। इसके लिए दो साल की तैयारी की आवश्यकता थी। सीईसी राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग ने इस चुनाव के दौरान लगभग 10,000 करोड़ रुपये की जब्ती का रिकॉर्ड बनाया है। यह 2019 में जब्त की गई राशि का लगभग 3 गुना है। स्थानीय टीमों को अपना काम करने के लिए सशक्त बनाया गया। कुमार ने कहा कि चुनाव कर्मियों के सावधानीपूर्वक काम के कारण हमने कम पुनर्मतदान सुनिश्चित किए - हमने 2019 में 540 के मुकाबले 2024 के लोकसभा चुनावों में 39 पुनर्मतदान देखे और 39 में से 25 पुनर्मतदान केवल 2 राज्यों में हुए। आयोग ने यह भी कहा कि हमने महिलाओं के प्रति गरिमा बनाए रखने की पूरी कोशिश की है। कोशिश खासकर इस बात कि किसी भी नेता के मुंह से कोई ऐसी बात न निकले जो उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाए। बुजुर्ग मतदान कर्ताओं की बात करें तो, हमने वोट फ्रॉम होम की व्यवस्था हमने की।

दून वैली मेल

संपादकीय

तेरा एग्जिट पोल, मेरा एग्जिट पोल

क्या देश का लोकतंत्र महज तमाशा भर हो गया है? चाहे चुनाव हो, मतगणना हो या फिर एग्जिट पोल सब कुछ एक खेला भर है। यह सवाल बेवजह इसलिए नहीं माने जा सकते हैं क्योंकि देश के नेता और राजनीतिक दल खुद ही इसका प्रमाण प्रस्तुत कर रहे हैं। 1 जून को लोकसभा की सभी 543 सीटों के लिए मतदान संपन्न होने के बाद देश के कुछ जाने-माने न्यूज चैनलों और एजेंसियों द्वारा एग्जिट पोल के जरिए देशवासियों को यह बताया गया है कि 2024 में किसकी सरकार बनने वाली है। इन एग्जिट पोल में 10 की 10 एजेंसियों द्वारा लगभग एक ही तरह के आंकड़े पेश करते हुए सभी के द्वारा भाजपा और एनडीए को प्रंचड बहुमत के साथ सत्ता में तीसरी बार वापसी दिखाया गया और 350 से 400 के आसपास सीटें आना दर्शाया गया है। इन एग्जिट पोल से लेकर चुनाव में ईवीएम मशीन सहित तमाम 117 बिंदुओं पर चुनाव आयोग के सामने अपनी आपत्तियां दर्ज कराई गई है। विपक्षी दलों के नेताओं ने एक स्वर से इस एग्जिट पोल को गलत बताते हुए तमाम तरह की आशंकाएं जताई गई है। कल दिल्ली में कांग्रेस नेताओं ने एक पत्रकार वार्ता कर सत्ता पक्ष पर अत्यंत ही गंभीर आरोप लगाये गए और साफ कहा गया है कि अगर यह विपक्ष पर मनोवैज्ञानिक रूप से दबाव बनाने की कोशिश तक सीमित है तो कोई बात नहीं है लेकिन अगर इसके पीछे कोई अन्य षड्यंत्र रचा जा रहा है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। कांग्रेस ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने इतिहास में पहली बार ऐसा देखा है कि जब चुनाव परिणाम पहले ही कोई सरकार खुद को जीता हुआ मानकर ट्रांसफर पोस्टिंग से लेकर काम के टेंडर तक देने का काम करें। गृहमंत्री द्वारा देश के 150 से अधिक जिला अधिकारियों को फोन पर अलग-अलग बात कर दिशा निर्देश देने तक की बात उठाई गई। कांग्रेस नेताओं ने सीधा-सीधा आरोप लगाया गया है कि सरकार जो चुनाव हार चुकी है अब अधिकारियों पर दबाव बनाने में लगी हुई है। चुनाव के नतीजे भी एग्जिट पोल के अनुरूप ही आने चाहिए। यही नहीं उन्होंने कांग्रेस को 100 से अधिक तथा इंडिया गठबंधन को न्यूनतम 295 सीटें मिलने का दावा किया। उन्होंने अपने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी संपर्क कर सावधान किया है कि वह एक-एक मत की गणना होने तक मतगणना केंद्र न छोड़े। राहुल गांधी ने इस एग्जिट पोल को मोदी और मीडिया का एग्जिट पोल बताया है और कल 4 जून को सबके सामने सच आने की बात कही है। वही एग्जिट पोल पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि भाजपा अपने 400 पार को सच साबित करने के लिए कुछ भी कर सकती है। वहीं सपा नेता अखिलेश ने अधिकारियों तक को चेतावनी दी गई है कि वह देश की जनता से अपने आप को ऊपर समझने की कोशिश न करें अन्यथा गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इंडिया गठबंधन का अपना इंटरनल सर्वे सच साबित होता है या फिर एजेंसियों का वह एग्जिट पोल जिसमें भाजपा की एक तरफा जीत दिखाई गई है इसका फैसला तो कल 4 जून को होगा ही लेकिन असली चुनाव परिणाम से पहले एग्जिट पोल को लेकर जिस तरह की रस्साकशी देखी जा रही है उसे लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप नहीं कहा जा सकता है इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एग्जिट पोल कतई भी विश्वसनीय नहीं है क्योंकि इनमें राजस्थान की कुल 25 सीटों के सापेक्ष 33 सीटों पर जीत दिखाया जाना और बिहार में लोजपा जो 5 सीटों पर ही चुनाव लड़ी है उसे 6 सीटों पर जीत दर्ज कराया जाना दर्शाया गया अविश्वसनीय है। बड़े और नामी चैनलों तक में जो अपने आप को नंबर वन बताते हैं, के एग्जिट पोल में बड़ी-बड़ी खामियां पकड़ी गई है। लेकिन सवाल फिर वही है क्या यही है देश का लोकतंत्र जिसमें सिर्फ किसी भी तरह सत्ता हासिल करना है उद्देश्य शेष बचा है। और जनमत के कोई मायने नहीं रह गए हैं तो यह चिंतनीय ही है। राजनीति के इस खेल का कल क्या पटाक्षेप होता है असल नतीजे के आने पर ही पता चल सकेगा?

सार्वजनिक स्थान पर हुडदंग मचाने वाले पांच गिरफ्तार

देहरादून (सं)। सार्वजनिक स्थान पर लडाई झगडा कर हुडदंग मचाने वाले पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हुडदंग कर शान्ति व्यवस्था भंग करने वाले आरोपियों को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी अधीनस्थों को कडे निर्देश निर्गत किये गये हैं। निर्गत निर्देशो के क्रम में गत दिवस रात्रि को कोतवाली पटेलनगर क्षेत्रान्तर्गत शिमला बाईपास दिल्ली दरबार के पास सडक ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

प्रपथे पथामजनिष्ट पूषा प्रपथे दिव: प्रपथे पृथिव्या:।
उभे अभि प्रियतमे सधस्थे आ च परा च चरति प्रजानन्।।
(ऋग्वेद १०-१७-६)

पूषा, सब का पोषक प्रभु, पृथ्वी के ऊपर के सभी सर्वोत्तम मार्ग को जानने और उन पर चलने के लिए हमें प्रेरित करता है। वह पृथ्वी पर प्रगति के मार्ग बताता है और उससे भी आगे मुक्ति का मार्ग भी बताता है। वह सर्वत्र व्यापक है।

गर्भवती महिलाएं गर्मियों में हाइड्रेशन का रखें पूरा ध्यानः डॉ. सुजाता संजय

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। डॉ सुजाता संजय ने बताया कि गर्मी के मौसम में हर व्यक्ति को स्पेशल केयर की जरूरत होती है। इन दिनों अगर जरा भी लापरवाही की जाए, तो व्यक्ति को लू लग सकती है या डिहाइड्रेशन जैसी समस्या हो सकती है। खासकर, गर्भवती महिलाओं की बात करें उन्हें अपनी सेहत का ज्यादा ध्यान रखना चाहिए। बॉडी में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए। अगर ऐसा होता है, तो उनकी ओवर ऑल हेल्थ पर इसका नेगेटिव असर पड़ सकता है। जैसे, ब्लड प्रेशर डाउन हो सकता है, हार्ट रेट बढ़ सकता है, चक्कर आ सकते हैं और कुछ गंभीर मामलो में बेहोशी भी छा सकती है। इस तरह ही तमाम समस्याओं से बचने के लिए आवश्यक है कि गर्भवती महिलाओं को पता हो कि वे इस गर्मी में अपना और गर्भ में पल रहे अपने शिशु का कैसे ध्यान रख सकती हैं?

डॉ सुजाता संजय ने बताया कि प्रेगनेंसी के दौरान महिला के शरीर में कई तरह के हार्मोनल बदलाव आते हैं जिसकी वजह से उसे काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। वहीं अगर प्रेगनेंसी के दौरान गर्मी का मौसम हो, तो इसके लक्षण और ज्यादा तकलीफ देने लगते हैं और महिला को भूख की कमी, गैस, एसिडिटी, मितली, उल्टी जैसी समस्याएं होने लगती हैं जिसकी वजह से कमजोरी महसूस होती है और गुस्सा, इरिटेशन, चिड़चिड़ाहट आदि दिक्कतें बढ जाती हैं। यहां आपको बताते हैं ऐसे तरीके जिन्हें अपनाने से गर्मी के मौसम में कुछ राहत मिल सकती है ।

1. गर्मी में अक्सर शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ती हैं। आप इससे बचने के लिए खूब पानी पिएं और छाछ, नारियल पानी, जूस आदि लिक्विड डाइट लेती रहें।

2. खाने में ज्यादा से ज्यादा पानीदार सब्जियां जैसे लौकी, तोरई, टमाटर, खीरा आदि खाएं। सलाद खूब खाएं। रस वाले फलों का सेवन करें ।

3. ढीले और सूती कपड़े पहनें ताकि शरीर को हवा लगती रहे। पॉलिस्टर मिक्स और सिंथेटिक फाइबर वाले कपड़े पहनने से बचें। हल्के रंग के कपड़ों का चुनाव करें। दिन में कम से कम दो बार नहाएं।

4. गर्मी कि वजह से आपको बहुत थकान हो रही हो, तो अपने पति या परिवार के सदस्यों को घर के कामों में आपकी मदद करने के लिए कहें। कोशिश करें ज्यादा से ज्यादा काम सुबह के समय निपटा लें।

5. जहां तक संभव हो छाया में ही रहने की कोशिश करें। अगर बहुत जरूरी हो तो ही धूप में बाहर निकलें। स्प्रे बोतल में दो हिस्से गुलाब जल और एक हिस्सा सादा फिल्टर पानी का मिश्रण भरकर अपने पास रखें। ज्यादा गर्मी लगने पर इसका चेहरे पर छिड़काव करें। इससे स्किन भी बेहतर होगी और गर्मी भी शांत होगी जब भी बाहर जाएं तो अपने साथ छाता लेकर जाएं। अपने सिर को स्कार्फ या दुपट्टे से कवर करें ।

डॉ सुजाता संजय ने बताया कि फिजिकल वर्क गर्भवती महिलाओं को गर्मी के दिन में सुबह या शाम के समय करना चाहिए। दोपहर के समय तेज गर्मी होने के कारण फिजिकल वर्क कम ना करें तो बेहतर है। गर्मी के दिनों में दोपहर के समय गर्भवती महिलाओं को 1 से 2 घंटे का रेस्ट भी करना चाहिए। गर्मी के दिनों में शरीर बहुत जल्दी थक जाता है। ऐसे में आराम करना भी जरूरी है। गर्मी में फिजिकल वर्क करते हैं, तो शरीर में डिहाइड्रेशन या पानी की कमी होने की चांसेस अधिक रहता है। ये माम और बच्चे दोनों के लिए हानिकारक है। गर्मी के दिनों में खाने की मात्रा भी कम हो जाती है ।

गर्मी के दिनों में गर्भवती महिलाओं को पानी या फिर कोई भी तरल पदार्थ की मात्रा पहले की तुलना में अधिक मात्रा में सेवन करना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को गर्मी के दिनों में जूस, पानी या फिर कोई भी तरल पदार्थ कम से कम दिन में तीन से चार लीटर पीना चाहिए। ग्लास के अनुसार पूरे दिन में 15 से 20 ग्लास पानी पीना चाहिए। ऐसा करने से गर्मी में यूरिन इंफेक्शन नहीं होता। साथ ही गर्भ में पल रहे बच्चे को भी इसका फायदा मिलता है। गर्मी के दिनों में पसीना आने के कारण शरीर से पानी की मात्रा कम हो जाती है। ऐसे में चक्कर आने के साथ ही बीपी लो हो सकता है। बेचौनी महसूस हो सकती है। इसलिए तरल पदार्थ का अधिक सेवन जरूरी है।

विकसित राष्ट्र बनाने वाली सरकार के गठन के लिए की विशेष पूजा अर्चना

देहरादून (सं)। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने वाली सरकार के गठन के लिए माता वैष्णों देवी गुफा योग मंदिर में की विशेष पूजा अर्चना। आज यहां देश में स्थिर, राष्ट्रवादी, भारत को विश्व गुरु के पद पर पुनर्स्थापित करने वाली और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने वाली सरकार के गठन के लिए श्री माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर, श्री टपकेश्वर महादेव देहरादून श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर धोलास में विशेष पूजा अर्चना आचार्य डा. बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में की है। कल प्रात: काल 6 बजे से माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव में संगीतमई सामूहिक सुन्दर काण्ड का पाठ किया जाएगा।

फर्जी दस्तावेजों से 90 लाख में जमीन बेचने पर तीन के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। फर्जी दस्तावेजों के साथ 90 लाख रूपये में जमीन बेचने व मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गौतम बुद्ध नगर निवासी कपिल मलिक ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता द्वारा 25 जनवरी 2021 को एक भूमि बिधौली तहसील विकास नगर जिला देहरादून किशन पाल सिहं उर्फ केपी सिंह पुत्र विशम्बर सिंह निवासी नई मिठ्ठीबेरी प्रेमनगर देहरादून से क्रय की थी। केवी सिंह द्वारा भूमि से सम्बन्धित रजिस्ट्री व अन्य दस्तावेज दिखाये गये थे तथा केपी सिंह द्वारा उसके पिता को यह भी बताया गया कि सम्पूर्ण भूमि को 2159 वर्गमीटर है। केपी सिंह द्वारा जयप्रकाश से वर्ष 2012 मे क्रय की थी। उसको व उसके पिता को बाद में ज्ञात हुआ था की केपी सिंह द्वारा भूमि से 1155 वर्गमीटर वर्ष 2012 में योगेन्द्र विधार्थी पुत्र मूलचन्द्र विधार्थी निवासी प्रेमपुर माफी केन्द्रीय दून जिला देहरादून के पक्ष में विक्रय पत्र सम्पादित कर चुका है तथा केपी सिंह द्वारा जानबूझकर पुन: जयप्रकाश के साथ एक शुद्धी पत्र सम्पादित किया तथा वर्ष-2012 में योगेन्द्र विधार्थी को क्रय की गयी भूमि जिस पर केपी सिंह का कोई स्वामित्तव शेष नही था। जानबूझकर जयप्रकाश के साथ एक शुद्धी पत्र निष्पादित किया तथा भूमि का खसरा दिशा व रकबा बदल दिया और इसी शुद्धी पत्र को दिखाकर उसके व उसके पिता का प्रवन्चित कर उनके साथ धोखाधड़ी करके कुल 1155 वर्गमीटर बेच चुका था। केपी सिंह ने उनके घर की बाउडरी की दीवार 25 अप्रैल 2024 को गिरा दी। वह नोएडा मे अपनी बुजुर्ग मां के साथ रहता है उसने स्थिति को समझते हुये देहरादून आने पर दीवार खड़ी कर दी लेकिन यह भी केपी सिंह को बर्दाश्त नही हुआ और उसने जबरदस्ती उसकी सम्पत्ति एक कमरे पर अपना ताला लगा दिया जिसका पता उसको केयर टेकर (महेश) द्वारा फोन से चला। 28 अप्रैल 2024 को जब वह केपी सिंह से दीवार गिराने व उसकी सम्पत्ति पर ताला लगाने का कारण पूछने के लिये देहरादून से बिधोली गये तो उसके दो दोस्त (सुशील गोस्वामी व अनुरुप पाल) उसके साथ मौजूद थे वह सभी बातचीत करने बिधौली मकान पर गये थे। वहां पर केपी सिंह व उसके बेटे व अन्य ने उनके साथ मारपीट कर उनको घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भारत में छायादार पेड़ों की चिंताजनक गिरावट

देवेन्द्रराज सुथार

हाल ही में नेचर सस्टेनेबिलिटी जर्नल में प्रकाशित कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के चौंकाने वाले निष्कर्षों ने भारत में छायादार पेड़ों की चिंताजनक गिरावट पर गहरा प्रकाश डाला है। पिछले पांच वर्षों में भारतीय खेतों से नीम, महुआ, जामुन और शीशम सहित लगभग 53 लाख छायादार पेड़ गायब हो गए। दरअसल, धान की पैदावार बढ़ाने के लिए किसान इन पेड़ों को बाधा मान रहे हैं और इसलिए इन्हें तेजी से साफ कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शोधकर्ताओं ने भारतीय खेतों में मौजूद ६० करोड़ पेड़ों का मानचित्र तैयार किया है। इसके अनुसार भारत में जंगल और वृक्षारोपण के बीच अंतर बहुत साफ नहीं है, लेकिन इतना जरूर स्पष्ट है कि इस भूमि उपयोग में गत पांच वर्षों के दौरान मौजूद पेड़ों का एक बड़ा हिस्सा शामिल नहीं है, जो खेतों से लेकर शहरी क्षेत्रों में बिखरे थे। शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या ०.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। अध्ययन के दौरान इन पेड़ों की १० वर्षों तक निगरानी की गई। मध्य भारत में विशेष तौर पर तेलंगाना और महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर इन विशाल पेड़ों को नुकसान पहुंचा है। २०१०-११ में मैप किए गए करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ २०18 तक गायब हो चुके थे। हालांकि इस दौरान कई हॉटस्पॉट ऐसे भी दर्ज किए गए, जहां खेतों में मौजूद आधे (५० फीसदी) पेड़ गायब हो चुके हैं।

यह चिंताजनक है क्योंकि देश की 56 प्रतिशत भूमि कृषि के लिए है और केवल २० प्रतिशत वन के रूप में वर्गीकृत है। कृषि क्षेत्रों में हरियाली बनाए रखने और यहां तक कि विस्तार करने की महत्वपूर्ण क्षमता है। हालांकि, छायादार पेड़ों को हटाकर इस क्षमता को व्यवस्थित रूप से कम किया जा रहा है, जो न केवल गर्मी से राहत देने के लिए बल्कि जैव विविधता को बनाए रखने और जलवायु को स्थिर करने के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। वनों की कटाई के परिणाम पहले से ही स्पष्ट हैं। शहरी क्षेत्र अपनी प्राकृतिक छटा से वंचित होकर भीषण गर्मी में झुलस रहे हैं। पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने, कृषि स्थिरता सुनिश्चित करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद छायादार पेड़ों को नष्ट करना मूर्खता ही है। वे पक्षियों, कीड़ों और अन्य वन्यजीवों की कई प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करते हैं। उनकी जड़ें मिट्टी के कटाव को रोकने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और जल संरक्षण में सहायता करती हैं। इन पेड़ों को काटकर हम न केवल तात्कालिक कृषि पर्यावरण को बाधित कर रहे हैं बल्कि भूमि की दीर्घकालिक स्थिरता को भी खतरे में डाल रहे हैं। वहीं अधिक बर्फ पिघलने से समुद्र के किनारे स्थित शहरों के डूब जाने का भय भी उत्पन्न हो गया। मानव प्रदूषण जनित गैसों से अधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करने से बीमारियों का शिकार हो रहा है।

पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह खेती के तौर तरीकों में बदलाव आ रहा है वह न केवल पर्यावरण बल्कि किसानों के लिए भी हितकारी नहीं है। ऐसे ही बदलावों में से एक है खेतों से नीम, अर्जुन और महुआ जैसे छायादार पेड़ों का गायब होना। ये पेड़ पर्यावरण के साथ-साथ खेतों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं, फिर भी इनकी निगरानी पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। पेड़ों के साथ इनसे जुड़ी सांस्कृतिक परंपराएं भी गायब होती जा रही हैं। अब ना उनकी स्थापित परंपराओं के अनुसार पूजा होती है और ना ही सावन के झूले पड़ते हैं। इसके अलावा छायादार वृक्षों की अंधाधुंध कटाई कृषि पद्धतियों में अल्पकालिक सोच को भी दर्शाती है। हालांकि फसल उत्पादन में वृद्धि से तात्कालिक लाभ फायदेमंद लग सकता है, लेकिन दीर्घकालिक पर्यावरणीय लागत गंभीर है। मृदा क्षरण, जैव विविधता की हानि और जलवायु परिवर्तन की बढ़ती समस्या ऐसे कुछ गंभीर परिणाम हैं जिनका सामना आने वाली पीढ़ियों को करना पड़ेगा। इस संकट से निपटने के लिए इन पेड़ों को उनकी कृषि प्रणालियों में एकीकृत करने वाली कृषि वानिकी प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सरकारी नीतियों को छायादार पेड़ों के संरक्षण और रोपण को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के इच्छुक किसानों को वित्तीय और तकनीकी सहायता मिल सके। बढ़ते तापमान के बावजूद शहर रहने योग्य बने रहें, यह सुनिश्चित करने के लिए शहरी नियोजन को हरित स्थानों को प्राथमिकता देनी चाहिए। भारतीय खेतों से छायादार वृक्षों का लुप्त होना एक गंभीर मुद्दा है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। वृक्षों के बिना मानवीय जीवन की कल्पना अधूरी है। वृक्ष हमें केवल शुद्ध प्राणवायु ही नहीं प्रदान करते हैं बल्कि स्वास्थ्यवर्धक फल-फूल, इमारती लकड़ियां, छाल-पत्ते से लेकर गुणकारी औषधियां भी उपलब्ध कराते हैं।

इन औषधियों का आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान में बड़ा ही महत्व है। सरकार द्वारा देशभर में प्रति वर्ष वृक्षारोपण अभियान के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च कर पौधे लगाए जाते हैं। मगर पौधारोपण के बाद पांच प्रतिशत पौधे भी कहीं सुरक्षित नहीं रह पाते हैं। सरकार पौधारोपण के समय विज्ञापन के लिए फोटो खींचकर अपने रिकॉर्ड में उसे सुरक्षित कर लेती है, मगर वन क्षेत्र का रिकॉर्ड इसके मुकाबले कहीं सुरक्षित नहीं दिखता है। अगर वाकई में सरकार का उद्देश्य वन क्षेत्र में वृद्धि करना है, तो हमें खानापूर्ति की प्रवृत्ति को छोड़कर प्राकृतिक पुनरुत्पादन विधि पर जोर देना होगा। इस विधि के तहत जहां वन क्षेत्र बढ़ाना है उस क्षेत्र को फेंसिंग कर चराई और आवागमन निषिद्ध किया जाता है। इस तरह के क्षेत्र में चिड़ियों के बीट, पूर्व में वहां बिखरे पशुओं के मल में बीज तथा हवा पानी के साथ आए हुए बीज संबंधित क्षेत्र में जमा होते रहते हैं और इसके अंकुरण से नए पौधे पनपने लगते हैं। यहां पौधे के बढ़ने तक किसी को विचरण करने नहीं दिया जाता, ताकि पौधे को किसी प्रकार से नुकसान न हो। बारिश और ठंड तक नए पौधे को यदि इस प्रकार सुरक्षित रख लिया जाए, तो गर्मी में इसे कम पानी में भी जीवित रखा जा सकता है, क्योंकि पौधों में किसी प्रकार से छेड़खानी नहीं होने पर इसकी वृद्धि अत्यंत तेजी से संभव है। *(ये लेखक के अपने विचार हैं)*

जानलेवा ना बने निर्दोष जनता के लिए

अनिरुद्ध गौड़

मुंबई में गत माह 13 मई को एक भयंकर धूल भरी आंधी, तूफान और भारी बारिश आई, जिससे मुंबई महानगर का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। पेड़ उखड़ गए, बिजली गुल हो गई, चल रहा यातायात रुक गया, बचने को लोग जहां तहां छिप गए।

इस तूफान से बचने को मुंबई के घाटकोपर के पूर्वी उपनगर में भी एक फ्यूल स्टेशन के शेल्टर के नीचे सौ से अधिक लोग खड़े थे। इस बीच फ्यूल सेंटर के साइड में खड़ा 12० गुणा 12० फीट लंबा चैड़ा विशालकाय टनों वजनी लोहे का विज्ञापन होर्डिंग फयूल स्टेशन पर गिर गया। हादसे में दबकर अबतक करीब 16 लोगों की मौत हो चुकी हैं और करीब 7० घायलों का इलाज चल रहा है।

देश की व्यावसायिक राजधानी मुंबई में हुआ यह हादसा बेहद गंभीर है। हादसे के बाद अभी भी राहत और बचाव के कार्य चल रहे हैं, महाराष्ट्र सरकार ने हताहतों को मुआवजे की धनराशि देने की घोषणा और घायलों के इलाज के इंतजाम किए है, जबकि मुंबई में लगे सभी होर्डिंग्स के सुरक्षा ऑडिट के निर्देश दिए हैं। होर्डिंग एजेंसी पर भी मामला दर्ज आरोपी की तलाश है, लेकिन साफ तौर पर यह हादसा व्यवस्था में आमूलचूल लापरवाही का नतीजा है।

रेलवे पुलिस की जमीन पर खड़ा ये होर्डिंग गिरा और जिम्मेदारी की बात उठी तो बीएमसी ने रेलवे पर और रेलवे ने बीएमसी को जिम्मेदार ठहराया है। जिम्मेदारी के आरोप प्रत्यारोप में राजनीति भी गरमा रही है, जबकि इस दुर्घटना में महाराष्ट्र की आई गई सरकार से लेकर हर उस एजेंसी की जिम्मेदारी है जो बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से लेकर उस पर निगरानी तक रखती हैं। सवाल उठता है आखिर व्यावसायिक नगरी मुंबई में मानक से कहीं अधिक बड़ा होर्डिंग कैसे खड़ा हो गया? जबकि मुंबई में 4० गुणा 4० फीट से अधिक बड़ा होर्डिंग लगाने की मंजूरी नहीं है। क्या इस होर्डिंग को लगाने वाली विज्ञापन एजेंसी ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के पास बीएमसी से इस विशालकाय होर्डिंग को लगाने की अनुमति थी? क्यों रेलवे ने बिना बीएमसी की मंजूरी के इतना बड़ा होर्डिंग लगने दिया?

नियमों का उलंघन कर इतने बड़े होर्डिंग की लोगों ने शिकायत की तो क्यों बीएमसी और रेलवे ने इसे हटाने को कदम नहीं उठाए? क्या शिकायत पर बीएमसी का रेलवे और विज्ञापन एजेंसी को दो साल बाद नोटिस देना ही काफी था? सवाल यह भी है कि विशालकाय होर्डिंग को लगाने के दौरान निर्माण सामग्री की जांच और सभी सुरक्षा पहलुओं पर क्यों नहीं निगरानी की गई? क्योंकि जब होर्डिंग गिरा तो देखा गया कि होर्डिंग मानक से बहुत कम गहरी नींव पर खड़ा था। आखिर क्यों नहीं जिम्मेदार संस्थाओं ने इस होर्डिंग को लगाने के दौरान निर्माण मानकों और सुरक्षा की जांच परख की? क्या होर्डिंग लगाने वाली एजेंसी व्यवस्था से अधिक ताकतवर है जिसके कारण जिम्मेदार अधिकारी उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सके। मुंबई शहर समुद्र के किनारे बसा है, कभी भी बारिश होना और तेज हवाओं का चलना यहां आम बात है। जब मुंबई में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर खड़े किए जाते हैं तो बीएमसी सुरक्षा मानकों को पूरी तरह परखकर ही अनुमति देती है।

फिर सुरक्षा मानकों और नियम कायदों में कोताही बरतकर बेहद असुरक्षित विशालकाय होर्डिंग का खड़ा हो जाना बीएमसी और रेलवे की लापरवाही नही तो और क्या है? पेट्रोल और गैस फ्यूल स्टेशन एक बेहद संवेदनशील यूनिट होती हैं, इसके समीप विशाल होर्डिंग लगाने में सुरक्षा मापदंडों में पूरी कोताही रही है। वैसे जलवायु परिवर्तन से देश ही नहीं वल्कि पूरा विश्व प्रभावित है। प्राकृतिक आपदाओं के हर दिन हादसे देखे जा सकते हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण अरब सागर में चक्रवातों की तीव्रता में वृद्धि हुई है। भारत में समुद्री चक्रवातों की बात करें तो हर साल बंगाल और अरेबियन सी के समुद्र तटों पर कोई न कोई तेज रफ्तार चक्रवाती तूफान तबाही का मंजर लेकर आता है। मुंबई अरेबियन सी के तट पर बसी है। अतीत में झांकें तो पता चलता है कि अरेबियन सी में कई भयंकर तूफान ने कहर बरपाया है। तेज हवाओं और आंधी तूफान से गुजरात के तटों और तटीय गांवों पर बुनियादी ढांचे तहस नहस हुए।

इन चक्रवातों के दृष्टिगत समुद्र किनारे के शहरों में अधिक एहतिया बरतने की आवश्यकता है। विज्ञापन होर्डिंग नगर निकायों की अतिरिक्त आय के साधन हैं। जबकि विशालकाय विज्ञापन होर्डिंग उपभोक्ताओं को दूर से आकर्षित करते हैं। जहां तक देश के राज्यों में विज्ञापन होर्डिंस लगाने की बात है अलग-अलग राज्यों और शहरों में इनको लगाने के दिशा-निर्देश अलग हो सकते हैं। इन पर प्रतिबंध लगाना तो ठीक नहीं क्योंकि ये नगर निकायों की आय के साधन हैं, लेकिन नगर निकायों को इनके मानकों और आमजन की सुरक्षा को देखना भी बहुत जरूरी है। विज्ञापन एजेंसी मनमर्जी से किसी भी आकार, भार और मानकों के होर्डिंस लगाए यह मंजूर नहीं है। ऐसी एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। नगर निकायों को होर्डिंग लगाने के नियम और मानकों को स्पष्टता के साथ एक अंतराल पर इनका सुरक्षा ऑडिट करना भी जरूरी है। ताकि संबंधित संस्थाओं की लापरवाही मुंबई के इस होर्डिंग की तरह निर्दोष जनता के लिए जानलेवा ना बने।

बैटल रोप एक्सरसाइज और इससे जुड़ी कुछ खास बातें

बैटल रोप एक तरह की कार्डियो एक्सरसाइज है जिसे रस्सियों की मदद से किया जाता है। बैटल रोप एक्सरसाइज में इस्तेमाल की जाने वाली रस्सी 3० मीटर लंबी और 1.5 इंच चौड़ी से लेकर 1०० मीटर लंबी और 2.5 मीटर तक चौड़ी होती है। अगर आप रोजाना इस एक्सरसाइज को करते हैं तो इससे आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। आइए आज आपको इस एक्सरसाइज को करने का तरीका और इससे जुड़ी कुछ अहम बातें बताते हैं।

बैटल रोप एक्सरसाइज करने का तरीका : सबसे पहले जमीन पर एड़ियों के बल खड़े हो जाएं। इसके बाद रस्सी के दोनों सिरों को दोनों हाथों में पकड़ें। अब अपने शरीर को आगे की ओर थोड़ा झुकाएं और ध्यान रखें कि शरीर पीछे की ओर जरा सा भी न झुके। इसके बाद रस्सियों को उछालकर इनसे टेढ़ी-मेढ़ी तरंगें (5द्वद्द 5द्वद्द 2द्व1द्दह्व) बनाएं। धीरे-धीरे रस्सी उछालने की गति बढ़ाएं और तेजी से बैटल रोप करें। कुछ मिनट इस एक्सरसाइज को लगातार करके बंद कर दें।

एक्सरसाइज के दौरान जरूर बरतें ये सावधानियां: इस एक्सरसाइज को करने से पहले कुछ मिनट ठीक ढंग से वार्मअप जरूर करें। शुरूआत में बैटल रोप एक्सरसाइज को एक जिम ट्रेनर के सामने करें। अगर आपको हाथ-पैर, पीठ या फिर सीने में दर्द है तो इस एक्सरसाइज को करने से बचें। अपनी क्षमता से अधिक वजन की रस्सी न उठाएं। गर्भवती महिलाओं को भी यह एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। अगर आप अर्थराइटिस से ग्रस्त हैं तो भी इस एक्सरसाइज को न करें।

रोजाना बैटल रोप एक्सरसाइज करने के फायदे: इस एक्सरसाइज का शरीर की हृदय वाहिनियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह एक्सरसाइज शरीर में जमे अतिरिक्त वसा को कम करने में मदद कर सकती है। यह एक्सरसाइज शरीर की सभी मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने में सहायक है। इस एक्सरसाइज से शरीर का पॉश्चर ठीक करने में भी मदद मिलती है। इस एक्सरसाइज से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है और इससे शरीर में लचीलापन भी आता है। यह एक्सरसाइज एक बेहतरीन एनर्जी बूस्टर है।

एक्सरसाइज से जुड़ी महत्वपूर्ण टिप्स: इस एक्सरसाइज को करते समय रस्सी के सिरों को अच्छी तरह से और एकदम टाइट पकड़ें। एक्सरसाइज के दौरान रस्सी से तरंग बनाने के लिए बाहों की बजाय कंधों का अधिक इस्तेमाल करें। बैटल रोप का अभ्यास करते समय सामान्य रूप से सांस लेते रहें। इस एक्सरसाइज को करते समय अपने सिर और कूल्हों पर अधिक दबाव न डालें। एक्सरसाइज के दौरान अपनी गर्दन को जकड़ें नहीं, बल्कि इसे सामान्य रखें।

धीमी है जलवायु परिवर्तन के समाधान की गति

अरुण मैरा

जलवायु परिवर्तन का वैश्विक संकट गंभीर होता जा रहा है। वैज्ञानिक तापमान वृद्धि रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन घटाने पर अड़े हुए हैं। समस्या बढ़ने की तुलना में समाधान की गति धीमी है क्योंकि आधुनिक जलवायु विज्ञान एक अपूर्ण विज्ञान है। भौतिक एवं रासायनिक प्रणाली पर वैज्ञानिकों का अत्यधिक ध्यान है, जिसमें वे ऊर्जा एवं तत्वों के संचरण को बेहतर करना चाहते हैं। इसके साथ-साथ आर्थिक एवं राजनीतिक तंत्र में भी बदलाव आवश्यक है ताकि धन एवं शक्ति का संचरण बेहतर हो सके। पिछली सदी में उत्पादकता, विकास और जीवन स्तर में बेहतरी ऊर्जा के कार्बन एवं हाइड्रोकार्बन स्रोतों पर लगातार निर्भर होती गयी। इसलिए अन्य ऊर्जा स्रोतों को खोजना और हाइड्रोकार्बन का इस्तेमाल कम करने के उपाय करना बहुत जरूरी है। उत्सर्जन घटाने के लिए जीवनशैली और उत्पादन तंत्रों में बदलाव की दरकार है। साथ ही, सौर ऊर्जा जैसे नवीनीकृत स्रोतों को अपनाया जाना चाहिए। जलीय एवं पवन ऊर्जा से भी धरती के संसाधनों का क्षरण नहीं होता। परमाणु ऊर्जा के साथ घातक कचरे के निपटान से जुड़े जोखिम हैं। हाइड्रोकार्बन ऊर्जा वातावरण में जहर घोलती है, तो परमाणु ऊर्जा सदियों तक भूमि को प्रदूषित बनाये रख सकती है। ऊर्जा के स्वरूप में बदलाव के लिए आर्थिक संरचनाओं में बदलाव भी आवश्यक हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जो सबसे बड़े और सर्वाधिक लाभ कमाने वाले उद्योग हैं, वे राजनीतिक रूप से भी सबसे शक्तिशाली हैं। अमेरिका जैसे देश, जिनकी जीवनशैली और उत्पादन प्रक्रिया हाइड्रोकार्बन पर आधारित हैं, बदलाव का प्रतिरोध करने में आगे हैं। विलासितापूर्ण जीवन जी रहे धनी लोगों को प्रकृति के साथ साहचर्य में रहने की तात्कालिक आवश्यकता का आभास नहीं है। वे प्रदूषण कम करने व अपने घर को ठंडा रखने के लिए और सामान खरीद सकते हैं।

उन सामानों को बनाने और चलाने के लिए भी ऊर्जा की जरूरत है। इस प्रकार, धरती और उसके वातावरण पर गरीबों की तुलना में धनी लोग कहीं अधिक दबाव बनाते हैं, जबकि सबके लिए उपलब्ध संसाधनों में सबकी न्यायपूर्ण साझेदारी होनी चाहिए। बैंकों एवं वित्तीय सेवाओं समेत सभी उद्योगों के उत्तरोत्तर निजीकरण के कारण अधिक पैसे वाले लोग सार्वजनिक नीतियों को बहुत ज्यादा प्रभावित करते हैं।

जलवायु परिवर्तन के मामले में तकनीक के चयन की शक्ति धनी निवेशकों के हाथ में है, जो इस समस्या से सबसे कम प्रभावित हैं तथा उनकी मुख्य चिंता निवेश की कमाई से जुड़ी होती है। इस तरह संपत्ति का प्रवाह शीर्ष की ओर बना रहता है। धनी और धनी हो रहे हैं, आर्थिक विषमता बढ़ती जा रही है। इससे जलवायु परिवर्तन का समुचित समाधान खोजने में और भी देरी हो रही है।

कार्बन कटौती पर केंद्रित वैज्ञानिक समझ संकीर्ण है, इसका विस्तार किया जाना चाहिए। पहला विस्तार तत्वों एवं ऊर्जा के संबंध में होना चाहिए। इस जलवायु मॉडल में पृथ्वी पर विभिन्न रूपों में प्रवाहित हो रहे जल का महत्व बहुत अधिक होना चाहिए। इस सदी में जलवायु विज्ञान एवं नीति में कार्बन के केंद्रीय चिंता बनने से बहुत पहले से अरबों लोग पानी की कमी और जल प्रदूषण से जूझ रहे हैं। दूसरी बात यह है कि समाधान सुझाने से पहले वैज्ञानिकों एवं तकनीकी विशेषज्ञों को पृथ्वी के प्राकृतिक तंत्रों की समझ को बेहतर करना चाहिए। सीमेंट और इस्पात के इंफ्रास्ट्रक्चर से प्रकृति के जलीय इंफ्रास्ट्रक्चर को नष्ट कर दिया गया है।

पहाड़ियों को समतल बना दिया गया है तथा सड़क बनाने एवं शहर बसाने के लिए जलाशयों को पाट दिया गया है। कथित वैज्ञानिक तरीके से पानी के भंडारण और बहाव के प्रबंधन के लिए बड़े-बड़े बांध बना दिये गये हैं। पर्यावरण पर इनका गंभीर असर पड़ा है। जब प्राकृतिक इंफ्रास्ट्रक्चर की जगह मानव-निर्मित इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया जाता है, तब जीडीपी बढ़ जाती है। लेकिन जीवन के बने रहने की स्थिति कमतर हो जाती है। तीसरी बात यह है कि वैश्विक जलवायु समस्या के समाधान के लिए स्थानीय समुदायों द्वारा विकसित और लागू होने वाले समाधान की आवश्यकता है। हर जगह पर्यावरण की समस्याएं जीवनयापन और आर्थिक समस्याओं से जुड़ी हुई हैं, पर इनके रूप अलग-अलग हैं। इसलिए कोई एक समाधान हर जगह लागू नहीं हो सकता है।

चौथी अहम बात यह है कि जो अपनी मेहनत से धन पैदा करते हैं, उनके पास ही उसका संग्रहण होना चाहिए, न कि उसे बाहरी निवेशकों के हाथ में दे देना चाहिए। निवेशक अधिकांश धन वित्तीय कारोबारों में निवेश करते हैं। जलवायु परिवर्तन जैसी मानवीय अस्तित्व से जुड़ी समस्या के समुचित समाधान के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक शक्ति के स्वरूप में उल्लेखनीय बदलाव हो। तकनीकी रूप से आकर्षक और निवेशकों को लाभ पहुंचाने वाले जलवायु समाधान सत्ता के स्वरूप में बदलाव नहीं ला सकते हैं। समाज के निचले तल के लोगों के पास अधिक धन और शक्ति होना आवश्यक है। आर्थिक उद्यम के सहकारी रूपों, जिनमें स्थानीय उत्पादक मालिक भी होता है, को अपनाया जाना चाहिए ताकि स्थानीय स्तर पर धन का संचरण और समुदाय के लाभ के लिए उसका पुनर्निवेश सुनिश्चित किया जा सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन से बचना है तो डाइट में शामिल कर लें ये चीजें, मिलेगी जबरदस्त ठंडक

गर्मी के इस दौर में सेहत को दुरुस्त रखने के लिए जरूरी है कि डाइट में ऐसी चीजों को शामिल किया जाए जिनसे आपके शरीर में पानी की कमी ना हो और आपकी बॉडी हीट स्ट्रोक से बची रह सके।

गर्मी इस वक्त अपने प्रचंड रूप में लोगों पर कहर बरसा रही है। तापमान 45 पार जा रहा है और ऐसे में घर से बाहर निकलना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में सबसे बुरा असर आपकी सेहत पर पड़ रहा है। लोग हीट स्ट्रोक की चपेट में आ रहे हैं और जिसे देखो डिहाईड्रेशन का शिकार हो रहा है।

गर्मी के इस दौर में सेहत को दुरुस्त रखने के लिए जरूरी है कि डाइट में ऐसी चीजों को शामिल किया जाए जिनसे आपके शरीर में पानी की कमी ना हो और आपकी बॉडी हीट स्ट्रोक से बची रह सके। चलिए आज ऐसी ही कुछ ठंडक देने वाली चीजों की बात करते हैं जिनको खाकर आप गर्मी का शिकार बनने से बच सकेंगे।

गर्मियों में आने वाले फल जैसे,आम, संतरा, खरबूजा, मौसमी और अनार भी आपके शरीर को ठंडक देंगे और शरीर में पानी के साथ साथ पोषक तत्वों की भी कमी दूर करेंगे। इन फलों में पाया जाने वाला विटामिन सी आपकी इम्यूनिटी को

मजबूत बनाए रखेगा और आपके शरीर को ठंडक मिलती रहेगी।

खीरा तो आप सलाद के रूप में शौक से खाते होंगे। खीरा पानी से भरपूर सब्जी है जिसे गर्मियों में आप आराम से खा सकते हैं। इसके अंदर पाए जाने वाले न्यूट्रिएंट्स आपके शरीर में ठंडक भी रखेंगे और पानी की कमी भी नहीं होगी। इसके साथ साथ सन टैन से अगर आपकी स्किन झुलस गई है तो भी खीरा खाना आपके लिए फायदेमंद होगा क्योंकि ये आपकी स्किन को भी हेल्दी और चमकदार बनाने में मदद करेगा।

नारियल पानी ढेर सारे पोषक तत्वों से लैस है। खासतौर पर गर्मियों में यह आपके शरीर में पानी की कमी दूर करेगा और आपको लू से भी बचा लेगा। इसलिए गर्मी के मौसम में नारियल पानी का सेवन करना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है।

आपको पता ही होगा कि गर्मी में जब शरीर से ज्यादा पसीना निकलता है तो शरीर में पानी की कमी हो जाती है और शरीर डिहाइड्रेशन का शिकार हो जाता है। इसके अलावा गर्मी जब आप लू में बाहर निकलते हैं तो आप हीट स्ट्रोक का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखने लिए आपको तरबूज का सेवन करना चाहिए। तरबूज पानी से भरपूर फल है और इसके अंदर विटामिन सी के साथ साथ पोटेशियम भी होता है। इसके सेवन से आपके शरीर में पानी की कमी नहीं होगी और शरीर में ठंडक बनी रहेगी।

पुष्पा 2 द रुल के दूसरे गाने सूसेकी की पहली झलक आउट

अल्लू अर्जुन स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने सूसेकी का एलान हो गया है. साथ ही इस गाने सूसेकी से अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर धमाल करने जा रही है. पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स ने सॉन्ग सूसेकी का एक प्रोमो जारी किया है और साथ ही बताया है कि यह गाना कब रिलीज होने जा रहा है. इससे पहले बीती 22 मई को पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने सूसेकी की जानकारी मेकर्स ने दी थी. अब फैंस के बीच पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने की डेट सामने आ गई है और अब फैंस को इस तारीख का इंतजार रहेगा.

पुष्पा 2 द रूल का दूसरा गाना सूसेकी भी म्यूजिक कंपोजर देवी श्री प्रसाद ने कंपोज किया है. पुष्पा के पहले पार्ट में भी डीसपी के अपने म्यूजिक से धमाका किया था फिल्म के गाने दुनियाभर में छाए थे. इसमें ऊं अंटावा, सामी-सामी और श्रीवल्ली खूब हिट हुए थे. अब देखना है फिल्म पुष्पा 2 द रूल के गानों को कितना प्यार मिलता है. सॉन्ग सूसेकी 29 मई को सुबह 11.07 बजे रिलीज होगा. हालांकि, पुष्पा 2 द रूल के पहले गाने पुष्पा-पुष्पा ने रिकॉर्ड तोड़ दिया और अब देखना है कि फिल्म का दूसरा गाना क्या कमाल करता है. बता दें, सुकुमार के डायरेक्शन में बनी फिल्म पुष्पा 2 द रूल का इंतजार अल्लू अर्जुन के फैंस को खूब है. फिल्म को रिलीज होने में अब ढाई महीने का ही समय बचा है. फिल्म आगामी 15 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने जा रही है.

शब्द सामर्थ्य -98

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

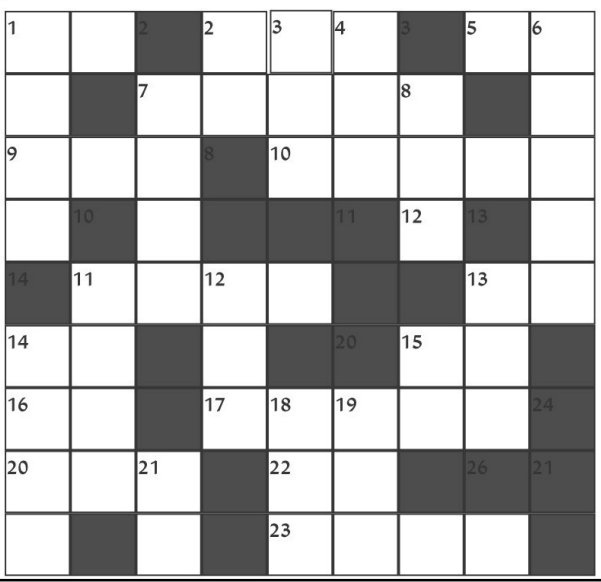

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 97 का हल

ग	ल	त	ज्ञ	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	10 रं	■	■	मि	
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
14 नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न	
ना	च	■	18 प	20 ■	■	य	■	
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	24 ■
ची	25 ■	■	प	■	पा	■	26 ■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की दिखी खूबसूरत केमिस्ट्री

फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही की रिलीज का काउंटडाउन शुरू हो गया है। जान्हवी कपूर और राजकुमार राव अभिनीत रोमांटिक स्पोर्ट्स ड्रामा इस महीने आने वाली है। मेकर्स ने एल्बम का पहला गाना पहले ही लॉन्च कर दिया है और अब दूसरा ट्रैक रिलीज कर दिया गया है। बता दें कि 'अगर हो तुम' शीर्षक से, यह एक सुखदायक ट्रैक है, जिसमें मुख्य जोड़ी और राजकुमार के महेंद्र के बीच के बंधन को दिखाया गया है, जो जान्हवी की महिमा का सबसे बड़ा चीयरलीडर है।

आपको बता दें कि आगामी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के निर्माताओं ने साउंडट्रैक से दूसरा गीत लॉन्च किया। अगर हो तुम को तनिष्क बागची ने कंपोज किया है और इसके बोल कौसर मुनीर ने लिखे हैं। इस गाने को सुधांशु शोम, राकेश देओल, पंकज दीक्षित और अनुपम बर्मन ने कोरस के साथ जुबिन नौटियाल की मधुर आवाज में गाया है। इस गाने में जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की खूबसूरत केमिस्ट्री को दिखाया गया है। उनके किरदार महेंद्र और महिमा, जो नई-नई शादी कर चुके हैं, क्रिकेट के प्रति उनके प्यार पर बंधते हुए दिखाई देते हैं। दोनों स्टेडियम में एक साथ मैच भी देखते हैं और एक-दूसरे के करीब आते हैं। रोहित शर्मा के शतक पर माहिस का समान रूप से उत्साहित होना एक दिल को छू लेने वाला क्षण है। राजकुमार फिल्म में जान्हवी को प्रशिक्षण देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं ताकि वह एक पेशेवर क्रिकेटर बनने के अपने सपने को हासिल करने में मदद कर सकें। जब वह विजयी प्रदर्शन करती है तो वह खुशी से उसके लिए चीयर करते हुए दिखाई देता है। दरअसल, अगर हो तुम एक भावपूर्ण रोमांटिक ट्रैक है, जो आपको प्यार की शक्ति का एहसास कराएगा और प्रमुख जोड़े के बीच कुछ मीठे पलों से भरा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गीत की रिलीज के तुरंत बाद, फैंस ने कमेंट सेक्शन में अपने प्यार और प्रशंसा की बाढ़ ला दी। एक व्यक्ति ने लिखा, 'न केवल राजकुमार और जाह्नवी ने इसे इतना रोमांटिक बनाया बल्कि जुबिन ने भी इसे बिल्कुल सुखदायक और मंत्रमुग्ध कर दिया।' जबकि एक अन्य ने प्रशंसा की, 'जुबिन की एक और उत्कृष्ट कृति।' (आरएनएस)

तीन अलग-अलग लुक में धमाल मचाने को तैयार अजित कुमार

साउथ सुपरस्टार अजित कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म विदा मुयार्ची के निर्माण में व्यस्त हैं। बीते कुछ समय पहले अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म गुड बैड अग्ली की जानकारी साझा की थी। अभिनेता अपनी नई फिल्म के लिए निर्देशक अधिक रविचंद्रन के साथ सहयोग कर रहे हैं। वे जल्द ही अपने दूसरे प्रोजेक्ट गुड बैड अग्ली पर काम शुरू करेंगे। अब इस फिल्म से अभिनेता के लुक पर बड़ी जानकारी सामने आई है।

निर्माताओं ने कुछ समय पहले फिल्म का पहला पोस्टर और शीर्षक जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच उत्साह बढ़ गया था। प्रशंसक इस परियोजना के बारे में अधिक जानने के लिए उत्सुक हैं। वहीं अब फिल्म में अभिनेता के किरदार को लेकर नई जानकारियां सामने आईं। इससे पहले खबर आई थी कि अजित अधिक रविचंद्रन की फिल्म गुड बैड अग्ली में ट्रिपल रोल निभाएंगे।

अजित तीन किरदार निभाएंगे, इस पर चर्चा पहले से ही है, लेकिन अब वे तीनों किरदार कैसे होंगे, इसका खुलासा हो चुका है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित फिल्म में तीन अलग-अलग लुक में होंगे। नमक और काली मिर्च वाले लुक के अलावा अजित कथित तौर पर काले बालों के साथ एक युवा लुक में नजर आएंगे और कुछ हिस्सों में वे पोनीटेल के साथ नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि निर्देशक अधिक रविचंद्रन ने अजित के लिए एक ठोस चरित्र-चित्रण तैयार किया है।

मुख्य महिला किरदार के बारे में विवरण अभी तक सामने नहीं आया है। कुछ दिन पहले अफवाह उड़ी थी कि श्रीलीला इस बड़ी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, लेकिन अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है। कहा जा रहा है कि फिल्म का नाम अभिनेता के किरदारों का परिचय देता है। गुड बैड अग्ली अभिनेता के तीन किरदार की झलक है। तीनों किरदारों में खरा उतरने के लिए अभिनेता पूरी मेहनत कर रहे हैं और तैयारी में लगे हुए हैं। यह 18 साल बाद होगा, जब अभिनेता का दर्शकों को ट्रिपल रोल देखने को मिलेगा। अजित को तीन अलग-अलग भूमिकाओं में देखने की खबर ने इस बीच आगामी फिल्म के लिए प्रत्याशा बढ़ा दी है।

वहीं, बात करें गुड बैड अग्ली की तो यह एक को एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म का संगीत राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार देवी श्री प्रसाद द्वारा तैयार किया जाएगा। सिनेमैटोग्राफी अबिनंदन रामानुजम करेंगे और संपादन विजय वेलुकुट्टी द्वारा किया जाएगा। फिल्म का निर्माण नवीन माइथरी ने माइथ मूवी के बैनर तले किया है। फिल्म पोंगल 2025 के दौरान रिलीज होने वाली है। (आरएनएस)

अभिनेता रोहित सराफ काफी मूडी हैं: नायला ग्रेवाल

अभिनेत्री नायला ग्रेवाल रोमांटिक-कॉमेडी इश्क विश्क रिबाउंड में रोहित सराफ के साथ स्क्रीन साझा कर रही हैं। उन्होंने खुलासा किया कि रोहित काफी मूडी व्यक्ति हैं।

अभिनेत्री ने मुंबई के जुहू इलाके के एक मल्टीप्लेक्स में अपने साथी कलाकार रोहित, पश्मीना रोशन और जिबरान खान के साथ गाने का टाइटल ट्रैक लॉन्च किया।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, रोहित के पास ऑन-ऑफ स्विच है। मुझे इसका एहसास काफी देर से हुआ। पश्मीना और जिबरान के साथ मैं तुरंत घुलमिल गई, लेकिन रोहित के साथ काफी वक्त लगा। इस पर रोहित ने मजाक में कहा कि अभिनेत्री इसलिए ऐसा कह रही हैं क्योंकि मेरा मूड बदलता रहता है। इस पर सभी हंस पड़े। नायला ने हास्यपूर्ण लहजे में जवाब देते हुए कहा, हां, लेकिन अब मैंने तुम्हें माफ कर दिया है। निपुण अविनाश धर्माधिकारी द्वारा निर्देशित इश्क विश्क रिबाउंड रमेश तौरानी और जया तौरानी द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में आने वाली है।

गर्मी में शमा सिकंदर ने सोशल मीडिया का बढ़ाया पारा

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने बिकिनी लुक्स को लेकर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाने में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर अपलोड करती हैं तो वो फैंस के बीच वायरल होने लगती हैं। एक्ट्रेस शमा सिकंदर टीवी की बेहद ही ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में से एक हैं।

अपनी बोल्डनेस के चलते सुर्ख़ियों में रहने वाली टीवी अभिनेत्री शमा सिकंदर इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। वह अपनी ग्लैमरस तस्वीरों और वीडियो से लगातार फैंस का दिल जीत रही हैं। हाल ही में, उन्होंने स्विमिंग पूल में बिकनी पहनकर तस्वीर शेयर की है, इस तस्वीर ने इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। हरे रंग की बिकनी पहने शमा सिकंदर पूल में धुप की किरणों का आनंद लेती नजर आ रही हैं। उनकी हॉट और बोल्ड अदाएं देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। फैंस ने कमेंट बॉक्स में हार्ट और फायर एमोजिस की बरसात कर दी है। यह पहली बार नहीं है जब शमा सिकंदर ने सोशल मीडिया पर अपनी हॉट तस्वीरें शेयर की हों।

शमा सिकंदर अपनी इन फोटोज में सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए बेहद ही हॉट फोटोशूट करवा रहे हैं।

अभी कुछ दिन पहले ही शमा सिकंदर ने ब्लैक बिकिनी में मचाया था और अब ऑरेंज बिकिनी में हॉट अवतार दिखाया है।

बता दें कि एक्ट्रेस इंडियन और वेस्टर्न दोनों ही लुक में फैंस के बीच कहर ढा देती हैं। इससे पहले भी वह कई बार अपनी बोल्ड अदाओं से फैंस को दीवाना बना चुकी हैं। (आरएनएस)

शिंदा शिंदा नो पापा में मेरा किरदार पति और बेटे के बीच उलझा हुआ है: हिना

गिप्पी ग्रेवाल स्टारर फिल्म शिंदा शिंदा नो पापा से पंजाबी सिनेमा में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस हिना खान ने बताया कि फिल्म में उनका रोल ऐसा है जो अपने पति और बेटे के बीच कई मुद्दों पर उलझा हुआ है।

फिल्म में हिना गिप्पी की पत्नी और शिंदा ग्रेवाल की मां का किरदार निभा रही हैं।

हिना ने बताया कि फिल्म हर माता-पिता को एक मैसेज देती है कि वे बच्चों को प्यार और सम्मान के साथ कुछ भी सिखा सकते हैं।

अपने रोल के बारे में विस्तार से बताते हुए हिना ने बताया, मैं फिल्म में शिंदा की मां निक्की का किरदार निभा रही हूं। निक्की हमेशा अपने पति और बेटे के बीच कई मुद्दों पर उलझी रहती है। उसका मानना है कि बच्चों को उनके माता-पिता प्यार और सम्मान के साथ जीवन की मूल सीख सिखा सकते हैं।

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि जहां फिल्म में कॉमेडी एलिमेंट मजबूत है, वहीं फिल्म माता-पिता और बच्चों के बीच के रिश्ते पर भी प्रकाश डालती है, जिसमें एक मोड़ है जो शिंदा (गिप्पी का बेटा) द्वारा लाया जाता है।

उन्होंने कहा, यह फिल्म निश्चित रूप से हंसी का तडक़ा लगाने वाली है, लेकिन यह दर्शकों को एक बड़ा मैसेज भी देती है। मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं जो माता-पिता और बच्चों के परस्पर एक-दूसरे का सम्मान करने के महत्व पर प्रकाश डालती है।

हिना ने कहा, फिल्म लोगों को प्रेरित करने और उनके दिलों से जुडऩे का एक जरिया है। हमने फिल्म में बस यही किया है। हम आप लोगों को हंसाना चाहते थे, लेकिन साथ ही एक मैसेज भी देना चाहते थे जो इस समय सबसे महत्वपूर्ण है। यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि माता-पिता को अपने बच्चों के साथ एक अलग रिश्ता बनाना चाहिए और वे बना सकते हैं।

पेयजल का संकट- पानी बचेगा तभी बचेगा जीवन

ज्ञानेन्द्र रावत

दुनिया में पेयजल की समस्या दिनों दिन गहराती जा रही है। इसके बावजूद हम पेयजल को बचाने और जल संचय के प्रति क्यों गंभीर नहीं हैं। यह समझ से परे है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि 2025 में दुनिया की चौदह फीसदी आबादी के लिए जल संकट एक बहुत बड़ी समस्या बन जाएगा। इंटरनेशनल ग्राउंड वाटर रिसोर्स असेसमेंट सेंटर के अनुसार पूरी दुनिया में आज 270 करोड़ लोग ऐसे हैं जो पूरे एक वर्ष में तकरीबन तीस दिन तक पानी के संकट का सामना करते हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानें तो अगले तीन दशक में पानी का उपभोग यदि एक फीसदी की दर से भी बढ़ेगा, तो दुनिया को बड़े जल संकट से जूझना पड़ेगा। यह जगजाहिर है कि जल का हमारे जीवन पर प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से प्रभाव पड़ता है। यह भी कि जल संकट से एक ओर कृषि उत्पादकता प्रभावित हो रही है, वहीं दूसरी ओर जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य पर भी खतरा बढ़ता जा रहा है। विश्व बैंक का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के चलते पैदा हो रहे जल संकट से 2050 तक वैश्विक जीडीपी को छह फीसदी का नुकसान उठाना पड़ेगा। वैश्विक स्तर पर देखें तो पाते हैं कि दुनिया में दो अरब लोगों को यानी 26 फीसदी आबादी को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। पूरी दुनिया में 43.6 करोड़ और भारत में 13.38 करोड़ बच्चों के पास हर दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है। यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के

चलते हालात और खराब होने की आशंका है। दुनिया में हर तीन में से एक बच्चा यानी 73.9 करोड़ बच्चे पानी की कमी वाले इलाकों में रह रहे हैं। इसके अलावा पानी की घटती उपलब्धता, अपर्याप्त पेयजल और स्वच्छता की कमी का बोझ चुनौतियों को और बढ़ा रहा है। दुनिया में वह शीर्ष 10 देश जहां के बच्चे पर्याप्त पानी से महरूम हैं, उसमें भारत शीर्ष पर है जिसके 13.38 फीसदी बच्चे पर्याप्त पानी से महरूम हैं। यूनीसेफ की रिपोर्ट यह भी कहती हैं कि 2050 तक भारत में मौजूद जल का 40 फीसदी हिस्सा खत्म हो चुका होगा। एशिया की 80 फीसदी आबादी खासकर पूर्वोत्तर चीन, पाकिस्तान और भारत इस संकट का भीषण सामना कर रहे हैं। आशंका है कि भारत इसमें सर्वाधिक प्रभावित देश होगा। संयुक्त राष्ट्र ने भी इसकी पुष्टि की है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शुद्ध पेयजल से जूझने वाली वैश्विक शहरी आबादी 2016 के 93.3 करोड़ से बढ़कर 2050 में 1.7 से 2.4 अरब होने की आशंका है। अगर शीघ्र इसका समाधान नहीं किया गया तो निश्चित तौर पर वैश्विक संकट और भयावह होगा।

पेयजल संकट की गंभीरता की ओर ग्लोबल कमीशन आन इकोनामिक्स आफ वाटर की रिपोर्ट संकेत करती हुई कहती है कि 2070 तक 70 करोड़ लोग जल आपदाओं के कारण विस्थापित होने को विवश होंगे। गौरतलब है दुनिया में दो अरब लोग दूषित पानी का सेवन करने को विवश हैं और हर साल जलजनित बीमारियों से लगभग 14 लाख लोग बेमौत मर जाते हैं। दुनिया में बहुतेरे विकसित देशों में लोग नल से सीधे ही साफ पानी पीने में सक्षम हैं। लेकिन हमारे देश में आजादी के 77 साल बाद भी ऐसा मुमकिन नहीं है कि लोग सीधे नल से साफ पानी पी सकें। असलियत में देश के मात्र तीन फीसदी परिवार ऐसे हैं जिनको नल से साफ जल मिल रहा है। यदि सभी को शुद्ध पेयजल मुहैय्या कराना सरकार की मंशा है तो उसे प्राकृतिक जल स्रोतों पर ध्यान देना होगा। इस तथ्य को सरकार भी नजरंदाज नहीं कर सकती कि देश के सभी जलस्रोत संकट में हैं। तालाब, पोखर, जलाशय बेरुखी के चलते बर्बादी के कगार पर हैं। देशभर में मौजूद तकरीब कुल 24,24,540 जल स्रोत हैं। इनमें से 23,55,055 यानी 97 फीसदी जल स्रोत ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। केवल 2.9 फीसदी जल स्रोत शहरी क्षेत्र में हैं। 45.2 फीसदी जल स्रोतों की कभी मरम्मत भी नहीं हुयी। देश में जलस्रोतों की हालत बहुत ही दयनीय है। कहीं वह सूखे हैं, कहीं निर्माण कार्य होने से इस्तेमाल में नहीं हैं, कहीं वह मलबे से भरे पड़े हैं। इनकी बदहाली में सबसे बड़ा कारण उनका सूखना, उनमें सिल्ट जमा होना, मरम्मत के अभाव में टूटते चला जाना अहम है। इसमें दो राय नहीं कि प्राकृतिक जल स्रोतों तथा नदी, तालाब, झील, पोखर, कुओं के प्रति सरकारी और सामाजिक उदासीनता एवं भूजल जैसे प्राकृतिक संसाधनों के अत्याधिक दोहन ने स्वच्छ जल का गंभीर संकट हमारे सामने खड़ा कर दिया है। सच यह है कि यदि सबको पीने का शुद्ध जल मुहैय्या कराना है तो प्राकृतिक जलस्रोतों पर ध्यान देना होगा। वर्ल्ड वाटर रिसोर्स इंस्टीट्यूट की मानें तो देश को हर साल करीब तीन हजार बिलियन क्यूबिक मीटर पानी की जरूरत होती है। जबकि बारिश से भारत को अकेले 4000 क्यूबिक मीटर पानी मिलता है। भारत सिर्फ आठ फीसदी बारिश के जल का ही संचयन कर पाता है। यदि बारिश के पानी का पूर्णतया संचयन कर दिया जाये तो काफी हद तक जल संकट का समाधान हो सकता है। वर्षा जल संचयन-संरक्षण, प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण, उनका समुचित उपयोग और जल की बर्बादी पर अंकुश ही वह रास्ता है जो इस संकट से छुटकारा दिला सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सू- दोकू क्र. 98

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.97 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

विडम्बनात्मक दोहराव से बचा

बंगाल में कांग्रेस के दो दिग्गजों मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी में ममता बनर्जी को लेकर खींची तलवारें फिलहाल म्यान में चली गई हैं। ऐसा कर पार्टी ने अपने आपको इतिहास के उस विडम्बनात्मक दोहराव से बचा लिया है।

तब ऐसे ही अस्तित्वगत सवाल पर कांग्रेस की तत्कालीन 'फायरब्रांड' नेता ख्यात ममता बनर्जी ने पार्टी छोड़ दी थी। अपनी तृणमूल कांग्रेस बना ली थी और कुछ सालों बाद वह 'मां, माटी और मानुष' के नारे पर दशकों के कायम वामपंथी शासन को उखाड़ फेंका था।

दूसरे नम्बर पर रही कांग्रेस इसके बाद राजनीतिक वनवास में चली गई थी, जबकि बंगाल में आजादी के बाद से दशकों तक सत्ताधारी रही थी। इसके बाद का इतिहास आज का वर्तमान है, जिस पर तृणमूल है, कांग्रेस और वामदल अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। इनमें कांग्रेस सत्ता के लिए कुछ अधिक ही अधीरता से प्रयासरत है। इस तर्क से कि बंगाल की सत्ता से 50 साल बाहर रहने के कारण उसके विरुद्ध सत्ता विरोधी विचार खुरच गए हैं।

इस बीच आई नई पीढ़ी में उसके प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं है और वह आसन्न भाजपा के बजाय कांग्रेस को वरीयता दे सकती है। इसके लिए सही मोहरे चलना होगा-जनता को तृणमूल कांग्रेस की ज्यादतियों से ही भिडऩा, जो वामशासन की बुराइयों की याद दिलाती है। आम जनता को इस अवसर की प्रतीक्षा है। लोक सभा चुनाव में भले बंगाल में भाजपा को अब वरीयता मिल जाए पर विधानसभा में कांग्रेस जमीनी पार्टी के रूप में मतदाताओं की पहली पसंद हो सकती है।

इसके लिए ममता के विरोधाभासों पर हमलावर होते दिखते रहना है। यह केवल अधीर की निजी नहीं बल्कि कांग्रेस-कैडर की आम राय है। इसलिए बंगाल में कांग्रेस के 'चौधरी' अधीर रंजन को ही खरगे ने जब पार्टी से बाहर जाने का विकल्प रखा तो उनकी तस्वीर काली कर दी गई।

आलाकमान की राय से यह खुला विद्रोह था। अधीर केवल ममता के दोमुंहेपन का विरोध कर रहे थे। अच्छा हुआ कि आलाकमान ने खरगे से कहलवा दिया कि चौधरी बंगाल में कांग्रेस के लड़ाकू सिपाही हैं। यह उनमें ममता से कार्यशैलीगत साम्यता की स्वीकारोक्ति है। उधर, ममता ने भी 'इंडिया' के प्रति अपनी राय मेंड कर ली है।

वैसे भी चुनाव के मोड को देखते हुए कोई भी राजनीतिक आगे के रास्ते के बारे में मुतमईन नहीं है। नतीजा कुछ भी हो सकता है। इसलिए चुनाव परिणाम आने तक राजनीतिक गलियारे में बहुत कुछ घटित होगा। (आरएनएस)

शरवरी वाघ की नई हॉरर-कॉमेडी फिल्म मुंज्या का टीजर जारी, 7 जून को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

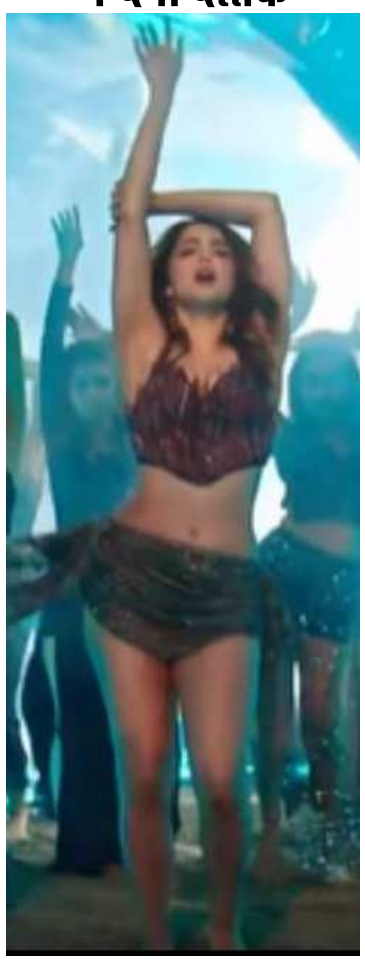

स्त्री की सफलता के बाद, मैडॉक फिल्म्स भारत के पहले सीजीआई अभिनेता मुंज्या के साथ अपनी आगामी फिल्म के साथ हर किसी का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। टीजर में मुंज्या की दुनिया की एक झलक पेश करता है, जो दर्शकों को एक रहस्यमयी मुन्नी की खोज के बारे में जानने के लिए उत्सुक करता है। यह डरावनी, लेकिन कॉमेडी झलक दर्शकों को मुंज्या के पीछे के रहस्यों को जानने के लिए उत्सुक करती है।

स्त्री और भेडिय़ा जैसे लोकप्रिय पात्रों के निर्माता, मैडॉक फिल्म्स अब एक नए प्रकार के पात्र के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। मुंज्या सिर्फ एक प्राणी नहीं है, जो बातचीत कर सकता है और चल सकता है। यह एक डिजिटल चमत्कार है, जो अपनी हर हरकत से डर पैदा करता है।

यह फिल्म आधुनिक तकनीक को अपनाने के दिनेश विजान के दृष्टिकोण का एक प्रमाण है। दिनेश का यह दृष्टिकोण फिल्म में शुरू से लेकर अंत तक पूरी तरह से महसूस की गई है। बता दें कि यह सीजीआई को प्रदर्शित करने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है। 24 मई को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होगा।

फिल्म में शरवरी, मोना सिंह, अभय वर्मा और सत्यराज मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। मुंज्या 7 जून 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। मालूम हो कि फिल्म टीजर रिलीज होने के बाद से ही इसे सोशल मीडिया पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। एक यूजर ने लिखा, फिल्म देखने के लिए उत्साहित हूं। दूसरे यूजर ने लिखा, फिल्म बच्चों को जरूर पसंद आएगी। एक और यूजर ने लिखा, मैडॉक फिल्म्स का नया आविष्कार सराहनीय है।

विश्व साइकिल दिवस पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने साइकिल रैली को किया फ्लैग ऑफ

संवाददाता

देहरादून। विश्व साइकिलिंग दिवस पर साईकिल चलाकर लोगों को जागरूक किया। आज यहां उत्तराखंड की समस्त साइकिलिंग कम्युनिटी द्वारा एक मंच पर एकत्र होकर विश्व साइकिलिंग दिवस का आयोजन किया गया। पहाड़ी पैडलर, रोड स्पिन वोररिएर, सरमंग एडवेंचर, विकासनगर एथलेटिक्स क्लब की टीम ने सामूहिक रूप से विश्व साइकिल दिवस मनाया। विश्व साइकिल दिवस अवसर पर उत्तराखंड साइकिलिंग कम्युनिटी द्वारा एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया , रैली में 150 से ज्यादा लोगों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी बी पुरषोत्तम(आई ए एस) मौजूद रहे। उन्होंने साइकिल रैली को फ्लैग ऑफ करके इसकी शुरुआत की गई और उन्होंने स्वयं रैली में हिस्सा लिया और सभी राइडर्स के साथ साइकिल चलाकर गांधी पार्क पहुंचे सभी लोगों को जागरूक किया। इस रैली की शुरुआत गांधी पार्क से हुई और दिलाराम बाजार, गाड़ी कैंट, कनॉट प्लेस होते हुए वापस गांधी पर इसका समापन हुआ। इसके बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा वहां पर मौजूद सभी प्रतिभागियों और आम जनता को साइकिल से होने वाले फायदे और यातायात सुरक्षा के विषय में जागरूक किया गया। अपने वक्तव्य में उन्होंने साइकिल से होने वाले फायदे के विषय में सभी को बताया। उन्होंने कहा की साइकिल चला कर हम खुद को फिट रख सकते हैं और साथ ही पर्यावरण को सुंदर रखने में अपने भूमिका निभा सकते हैं और साथ ही पेट्रोल डीजल के इस्तेमाल कम कर पर्यावरण को शुद्ध रखने में सहयोग कर सकते हैं। अनिल गुरुंग ने साइकिल दिवस के बारे में जानकारी दी और रोज साइकिल से चलने का आवाह्न किया। पहाड़ी पैडलर के संस्थापक गजेंद्र रमोला ने समस्त साइकिलिंग कम्युनिटी की ओर से साइकिल प्रेमियों की सुरक्षा, साइकिल फ्रेंडली वातावरण बनाने हेतु मुख्यमंत्री आवास में जाकर ज्ञापन दिया। इस मौके पर कर्नल अनिल गुरुंग, श्रध्दा, भावना, पूनम, अंजलि, जयदीप कंडारी, पियूष अरोरा, प्रभजोत सिंह, आलोक छेत्री अरुण कुमार, गोपाल सिंह राणा अरुण कुमार, नितिन छेत्री, अनुज केडियल, राजन गुप्ता, अंकित सिकरी आदि मौजूद रहे।

सार्वजनिक स्थान पर हुडदंग मचाने वाले पांच...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

पर सरेआम हुडदंग करने व शान्ति व्यवस्था भंग करने के मामले में 05 लोगो को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम ऋषभ पुत्र सजंय निवासी प्रताप पुर मेरठ हाल निवास सुभाष नगर थाना केलैमन्टाउन, अन्तिम लाठीयान पुत्र जयपाल सिँह निवासी सुभाष नगर एमएस सिँह का मकान थाना क्लैमन्टाउन, अमन पुत्र विनोद शर्मा निवासी टाईप 2 आडिट कालोनी सीमाद्वार, कोशतम चौधरी पुत्र रामकुमार सिँह निवासी मधु विहार जीएमएस रोड, अभिषेक उर्फ मिठ्ठु पुत्र सुभाष तोमर निवासी मधु विहार टर्नर रोड बताये। पुलिस ने सभी के खिलाफ शांतिभंग का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सभी पांचों सीटें जीतेंगे: अनिल बलूनी...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

व केरल में भी भाजपा को अच्छी बढ़त मिलेगी और भाजपा अपने 400 पार के लक्ष्य को हासिल करने की और अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने देश के विकास के लिए वोट दिया है अब ज्यादा समय नहीं है मात्र 12 घंटे की ही बात है असली परिणाम सामने आने वाले हैं। विपक्ष को उसके विरोध का भी जवाब मिल जाएगा।

उधर हरीश रावत का कहना है कि जो एग्जिट पोल दिखाये जा रहे हैं वह हकीकत से बहुत दूर है। यह मोदी के एग्जिट पोल है जिनके जरिए विपक्षी नेताओं व अधिकारियों पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने यह चुनाव जनता के मुद्दों पर लड़ा है। भाजपा के 10 सालों के काम को लेकर जनता में जो गुस्सा था तथा गरीब लोगों में जो बेचैनी थी वह सरकार को बदलना चाहती थी। कांग्रेस ने हमेशा अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के कल्याण की राजनीति की है। उन्होंने कहा कि नतीजे कांग्रेस के पक्ष में ही रहेंगे।

उधर भाजपा के हरिद्वार से प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने चुनाव परिणाम से पहले ही अपनी प्राथमिकता गिनाते हुए कहा है कि गंगा में अवैध खनन को चुनाव नतीजे के बाद वह रोकने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके पास लगातार ऐसी शिकायतें आ रही है उन्होंने अधिकारियों को भी फोन कर अवैध खनन को रोकने को कहा है। उनका कहना है कि इससे सरकारी राजस्व का ही नुकसान नहीं हो रहा है पर्यावरण को भी नुकसान हो रहा है जिसके लिए वह काम करते रहे हैं।

बीपीएल परिवार को 16 रुपए प्रति यूनिट बिजली, यह कैसा अन्याय: मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि ि विद्युत विभाग द्वारा बीपीएल परिवारों के विद्युत लोड बढ़ाने के नाम पर बहुत बड़ा अन्याय किया जा रहा है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते प्रदेश भर के उपभोक्ताओं की जान पर बन आई है। विभाग द्वारा बीपीएल परिवारों के विद्युत लोड बढ़ाने के नाम पर बहुत बड़ा अन्याय किया जा रहा है। विभाग द्वारा बगैर भौतिक सत्यापन किए, जिस घर में एक- दो बल्ब हैं, उनके लोड भी एक किलोवाट से सीधे 3 किलो वाट कर दिए गए, जिससे फिक्स्ड चार्ज इतना बढ़ गया है कि बिल चुकाना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। नेगी ने कहा कि विभागीय लापरवाही के चलते एक बीपीएल परिवार का एक किलोवाट का संयोजन 3 किलोवाट

कर दिया गया, जिसमें दो माह की यूनिट 40 खपत हुई ,जिसका बिल 644 रूपये विभाग द्वारा भेजा गया है, जिसमें 510 रुपए फिक्स्ड चार्ज के लगाए गए हैं। इस प्रकार लगभग 16 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से उक्त पीड़ित उपभोक्ता को पड़ी।

नेगी ने कहा कि विभाग को सुनिश्चित करना चाहिए कि एपीएल व बीपीएल परिवारों का जब भी विद्युत लोड बढ़ाएं, उसका भौतिक सत्यापन कर ही कार्रवाई करें, ऐसा न होने से गरीबों पर बहुत बड़ी मार पड़ रही है जोकि बहुत बड़ी लूट है। इसके अतिरिक्त विभाग अगर किसी उपभोक्ता का विद्युत लोड बढ़ा रहा है तो पूर्व में स्वीकृत लोड, उक्त लोड में से समायोजित न कर पूरे लोड का पैसा प्रति किलो वाट नए मानक के हिसाब से उपभोक्ताओं से वसूला रहा है तथा पूर्व में स्वीकृत लोड की धनराशि ही पुराने हिसाब से वापस कर रहा है। होना तो यह चाहिए था कि अगर किसी व्यक्ति का एक किलोवाट का संयोजन है और उसका लोड 3 किलोवाट कर दिया गया है तो उस उपभोक्ता से 2 किलो वाट का अतिरिक्त शुल्क ही लिया जाना चाहिए, लेकिन पूरे 3 किलोवाट का वर्तमान निर्धारित शुल्क लिया जा रहा है तथा पूर्व में स्वीकृत एक किलो वाट का पैसा पुराने हिसाब से वापस किया जा रहा है। मोर्चा सरकार से मांग करता है कि यूपीसीएल की इस गैर जिम्मेदाराना हरकत का संज्ञान लेकर जनता को राहत दिलाने का काम करें। पत्रकार वार्ता में मोर्चा महासचिव आकाश पंवार व दिलबाग सिंह मौजूद थे।

नेपाल मार्का शराब सहित अंतर्राष्ट्रीय शराब तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। शराब तस्करी में लिप्त एक अंतर्राष्ट्रीय शराब तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 35 शीशी नेपाल मार्का शराब भी बरामद की गयी है। आरोपी भारत-नेपाल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से लगे गांव हल्दू में, नेपाल से शराब लाकर बेच रहा था।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना जाजरदेवल पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक अंर्तराष्ट्रीय शराब तस्कर नेपाल मार्का की शराब लाकर बेच रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान ग्राम सौरिया हल्दू में छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान कुण्डल सिंह सामन्त पुत्र करम सिंह सामन्त निवासी सौरिया हल्दू, थाना जाजरदेवल पिथौरागढ़ को पुन्टे सौंप नेपाली मार्का की कुल 35 शीशी अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके खिलाफ थाना जाजरदेवल में धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार जनपद में अन्तर्राष्ट्रीय शराब तस्करी का यह पहला मामला प्रकाश में आया है।

आप्रेशन मर्यादा: हुड़दंग कर रहे पांच लोगों के खिलाफहुई वैधानिक कार्यवाही

हमारे संवाददाता

पौड़ी। मन्दिर के पास हुड़दंग कर रहे पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने आप्रेशन मर्यादा के तहत वैधानिक कार्यवाही की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली पौड़ी पुलिस को सूचना मिली कि लक्ष्मीनारायण मन्दिर के समीप कुछ लोग लड़ाई झगड़ा कर हुड़दंग मचा रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लडाई झगड़ा कर हुड़दंग कर रहे 5 लोगों के खिलाफ पुलिस अधिनियम के अंतर्गत चालानी कार्यवाही की गई।

जनपद पौड़ी गढ़वाल पुलिस द्वारा "मिशन मर्यादा' के अंतर्गत भविष्य में भी धार्मिक स्थलों पर हुड़दंग करने एवं पर्यटक स्थलों पर सार्वजनिक रूप से नशा व गंदगी करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। पकड़े गये हुड़दंगियों के नाम शैलेन्द्र सिंह नेगी उर्फ शैली पुत्र विनोद सिंह, निवासी ग्राम पौडी गांव थाना पौडी, अंकुर रावत पुत्र नरेन्द्र सिंह रावत निवासी ग्राम च्वींचा, थाना पौडी जनपद पौडी गढवाल, सरजल पुत्र धर्मेन्द्र सिंह निवासी काशीरामपुर मल्ला कोटद्वार जनपद पौडी गढवाल, राहुल पुत्र रामवीर, निवासी ग्राम मुरगांव, थाना सिरोली, जिला बरेली हाल पता श्रीमती किन्नी नेगी लक्ष्मीनारायण मंदिर मौहल्ला पौडी जनपद पौडी गढवाल व राहुल राज पुत्र जयपाल सिंह निवासी मकान नंबर 17 पौड़ी गांव वार्ड नंबर 5 जनपद पौड़ी गढ़वाल बताये जा रहे है।

खरगे व राहुल ने बढ़ाया कार्यकर्ताओं का मनोबल: थापर

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने हाट-टी के दौरान कार्यकर्ताओं का मनोबल बढाया।

आज यहां कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 10 राजाजी मार्ग स्थित अपने आवास पर कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ताओं व सोशल मीडिया के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर के लिये लोकसभा 2024 चुनाव के उपरांत 'हाई-टी' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पूरे देश से विभिन्न राज्यों से कांग्रेस के 145 वरिष्ठ नेताओं ने भागीदारी की, जिसमें से उत्तराखंड से प्रवक्ता के रूप में अभिनव थापर व

सोशल मीडिया कोर्डिनेटर के रूप में अमरजीत सिंह ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में चाय पर लोकसभा चुनाव के अनुभवों पर चर्चा करने के बाद पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ पूरे देश भर से आये नेताओं से लोकसभा चुनाव के अनुभवों पर चर्चा करी। उत्तराखंड कांग्रेस के नेता अभिनव थापर ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव में मेहनत से कार्य करने के लिए आभार व्यक्त किया और व्यक्तिगत रूप से मिलकर देश के कई राज्यों से आये कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया। राष्ट्रीय नेतृत्व ने सबको भविष्य की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में कांग्रेस महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता व मीडिया कमेटी के अध्यक्ष पवन खेड़ा, राज्यसभा सांसद जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव गुरदीप सिंह सप्पल, सोशल मीडिया की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत, महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा, प्रमोद तिवारी, चयनिका उनियाल, रागिनी नायक, सहित कई राष्ट्रीय नेताओं ने भाग लिया।

एक नजर

मुंबई ब्लास्ट के दोषी मोहम्मद अली खान की जेल में हत्या

मुंबई। महाराष्ट्र के कोल्हापुर से बड़ी घटना सामने आई है। यहां की कलंबा जेल में बंद 1993 मुंबई बम धमाकों के दोषी मोहम्मद अली खान उर्फ मनोज कुमार भंवरलाल गुप्ता की 5 कैदियों ने हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार 70 साल का मोहम्मद अली खान 1993 में हुए बम ब्लास्ट का दोषी था और उम्रकैद की सजा काट रहा था। मोहम्मद पर ब्लास्ट से पहले आंतकियों के पास आरडीएक्स और हथियार पहुंचाने का आरोप था। फिलहाल कोल्हापुर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कलंबा स्थित सेंट्रल जेल में बंद मोहम्मद अली खान की कुछ कैदियों ने रविवार सुबह नाली

के ढक्कन से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। मोहम्मद अली जब पानी की टंकी के पास नहाने गया तो 5 कैदियों ने मिलकर ड्रेनेज के ढक्कन से धावा बोल दिया। इस हत्या को अंजाम देने वालों में पिल्या सुरेश पाटिल, संदीप शंकर, दीपक खोत, ऋतुराज विनायक और सौरभ विकास शामिल हैं। बता दें कि कोल्हापुर की कलंबा जेल में पहले भी कैदियों के आपसे में लड़ने और हत्या की खबरें सामने आती रही हैं। ऐसे में इस घटना से एक बार फिर जेल प्रशासन के दावों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

एग्जिट पोल में मोदी सरकार की वापसी की भविष्यवाणी के बाद शेयर बाजार में भारी उछाल

मुंबई। एग्जिट पोल्स में लगातार तीसरी बार केंद्र में मोदी सरकार की वापसी की भविष्यवाणी के चलते हफ्ते के पहले कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार ने इतिहास रच दिया। नए ऐतिहासिक हाई पर भारतीय बाजार बंद हुआ है। बीएसई सेंसेक्स ने 76,738.89 अंकों के रिकॉर्ड हाई को छूने के बाद 2507 अंक या 3. 39 फीसदी के उछाल के साथ 76,469 अंकों पर क्लोज हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,338 अंकों के हाई को छूने के बाद एक ही सत्र में

733 अंकों के उछाल के साथ 23,263 के लेवल पर जाकर बंद हुआ है। भारतीय शेयर बाजार में आई तेजी में बड़ा योगदान अडानी समूह की कंपनियों और पब्लिक सेक्टर के बैंकों और पीएसयू कंपनियों का रहा है। बैंकिंग शेयरों में आई तेजी के चलते निफ्टी बैंक पहली बार 51,000 के आंकड़े को पार कर गया और करीब 2000 अंकों के उछाल के साथ 50,979 अंकों पर क्लोज हुआ है। मिडकैप और स्मॉल कैप शेयरों में जोरदार खरीदारी के चलते निफ्टी का मिडकैप और स्मॉल कैप इंडेक्स भी ऐतिहासिक हाई पर बंद हुआ है। भारतीय शेयर बाजार में आई इस ऐतिहासिक तेजी के चलते शेयर बाजार का मार्केट कैप रिकॉर्ड हाई पर जा पहुंचा है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 426.24 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले कारोबारी सत्रा में 412.12 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 14.12 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

आपरेशन स्माइल के तहत बच्चे को सकुशल परिजनों के किया सुपुर्द

देहरादून (सं)। ऑपरेशन स्माइल के तहत पुलिस ने परिवार से बिछडे बच्चे को सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 02. जून 2024 को चीता करनपुर मोबाइल कर्मचारियों को गश्त के दौरान परेड ग्राउण्ड के पास एक बालक लावारिस हालत में इधर उधर परेशान घूमता हुआ मिला, जिससे स्नेहपूर्वक पूछने पर बालक द्वारा स्वंय को निवासी बरेली उत्तर प्रदेश बताया गया तथा बताया कि वह घर से नाराज होकर बरेली से ट्रेन में बैठकर देहरादून आ गया है। उक्त बालक को सुरक्षा के दृष्टिगत थाना डालनवाला स्थित बाल मित्र पुलिस थाने पर लाया गया।बालक के पिता को सूचित किया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि उनका पुत्र 01 जून 24 को रात्रि लगभग नौ बजे किसी बात से नाराज होकर किसी को बिना बताये ही घर से कहीं चला गया था। जिसकी बरेली में काफी ढूढ़-खोज कर रहे थे लेकिन कुछ पता नहीं चल पा रहा था। सूचना प्राप्त होने पर बालक के पिता निवासी किला छावनी, थाना किला, जिला बरेली व बालक के चाचा थाना डालनवाला पर आये। बालक उपरोक्त को उसके पिता व उसके चाचा से बाल मित्र पुलिस थाना में मिलवाया गया जिस पर बालक अपने पिता से लिपट कर रोने लगा तथा अपने पिता व चाचा के साथ अपने घर वापस जाने की इच्छा जाहिर करने लगा। जिस पर ऑपरेशन स्माइल के तहत बालक को उसके पिता व चाचा के सकुशल सुपुर्द किया गया बालक के सकुशल मिलने पर परिजनों द्वारा उत्तराखण्ड पुलिस की कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए दून पुलिस को धन्यवाद दिया गया।

लाखों की धोखाधड़ी करने वाले अंतर्राज्यीय गैंग का ठग गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। लाखों की धोखाधड़ी करने वाले अंर्तराज्यीय गैंग के एक ठग को पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी गैंग के सदस्य फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर आम लोगों से सेक्सटर्शन के नाम पर पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज होने के नाम पर धोखाधड़ी किया करते थे।

जानकारी के अनुसार बीती 3 मई को देव पुंडीर पुत्र सते सिंह निवासी निकट पुलिस लाइन पौड़ी थाना पौड़ी जनपद पौड़ी गढवाल ने कोतवाली पौड़ी पर शिकायती पत्र देकर बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने उनके व्हाट्स ऐप पर वीडियो कालिंग कर वीडियो बनाकर ब्लैक मेल करने तथा उसके खिलाफ राजस्थान पुलिस में एफ.आई.आर. दर्ज होने व उनको डरा धमकाकर धोखाधड़ी कर उससे 4 लाख 20 हजार रूपये की धनराशि अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करा ली गयी है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी।

जांच के दौरान गठित पुलिस टीम द्वारा ठोस साक्ष्य संकलन व कुशल सुरागरसी पतारसी कर अथक प्रयासों से उक्त मुकदमें में संलिप्त आरोपी विशाल वाल्मीकि को दिनांक एक जून को जयपुर, राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस लगातार प्रयासरत है। उक्त मुकदमें में संलिप्त महिला माया देवी पत्नी रवि कुमार, निवासी कुसुमपुर अजीतगढ़, थाना अजीतगढ़ जिला नीमकाथाना, राजस्थान को 41 सीआरपीसी का नोटिस दिया गया है।

दोस्त बताकर ठगे एक लाख रुपये

देहरादून (सं)। फोन पर दोस्त बताकर एक लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार टपकेश्वर कालोनी निवासी दिनेश बलराम सिंह सावन ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 25 मई को समय 6-7 बजे सांय को काल आयी उसने बोला वह उसका दोस्त नरेन्द्र यादव बातकर रहा है उसने अपनी साली का एक्सीडेन्ट होना बताया और उससे एक लाख रूपये मागे उसने बिना फोन नम्बर देखे उसकी बातो पर विश्वास करके एक लाख रूपये उसे उसके दिये हुये नम्बर पर 75 हजार रूपये एक खाते से व इसी नम्बर पर 25 हजार रूपये एक खाते से गुगल पे कर दिये उसने बोला था वह उसके पास आयेगा तो वह आया नही तो उसने उसे फोन किया तो पैसा जिसे गुगल पे पर किया उसका नाम अमन बसापुर दोस्त ने बोला था अमन के नम्बर पर पैसे डाल देना दोस्त नही आया तो उसने उसी नम्बर पर फोन किया तो नम्बर बन्द था फिर दोस्त के सही नम्बर पर बात की तो उसने बताया उसने तो फोन किया ही नही तब उसको पता चला मेरे साथ फ्रोड हो गया है।

चरस के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। डोईवाला कोतवाली पुलिस ने नेचर विला के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 455 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम महताब पुत्र यामीन निवासी नजीबाबाद बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बाप ने लिखाया घर में चोरी का मुकदमा, नशेड़ी बेटा ही निकला चोर

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। घर में हुई चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर उसके पास से चुराया गया माल बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी पीड़ित का ही पुत्र है जिसने अपने नशे की लत पूरा करने के लिए अपने ही घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

जानकारी के अनुसार बीते रोज गुलजार पुत्र जमीर निवासी ग्राम मुण्डाखेडा कला द्वारा कोतवाली लक्सर में तहरीर देकर बताया गया था कि उनके घर से अज्ञात चोर द्वारा मोबाईल फोन, इंवर्टर बैट्रा, 1 इंडेक्शन आदि चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी।

चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कल देर रात कड़ी मशक्कत के बाद पीड़ित गुलजार के पुत्र आसिफ को चोरी के सामान के साथ जैतपुर तिराहे से दबोच लिया गया। जिसे आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्लेमनटाउन निवासी द्रीजा पोल ने रानीपोखरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से रानीपोखरी आया था। उसने अपनी स्कूटी शीला चौकी के पास खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।